जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

28 फरवरी, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस को शानदार तरीके से मनाया: नवाचार, प्रेरणा और बौद्धिक अन्वेषण का संगम

नई दिल्ली, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने आज अंसारी ऑडिटोरियम में एक जीवंत और बौद्धिक रूप से उत्तेजक समारोह के साथ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया, जिसमें 1,000 से अधिक उत्साही छात्र, संकाय सदस्य और विज्ञान के प्रति उत्साही शामिल हुए। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के माननीय कुलपति प्रो. मजहर आसिफ के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम ने वैज्ञानिक जिज्ञासा, नवाचार और अंतःविषय संवाद को बढ़ावा देने के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य किया।

प्रो. मजहर आसिफ, वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार के एक उत्साही समर्थक, विश्वविद्यालय में जांच और खोज की संस्कृति को बढ़ावा देने में सहायक रहे हैं। अनुसंधान और विकास के लिए उनके अटूट समर्थन ने विश्वविद्यालय में वैज्ञानिक प्रयासों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके नेतृत्व में, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने अपने अनुसंधान बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है, छात्र-नेतृत्व वाली वैज्ञानिक परियोजनाओं को प्रोत्साहित किया है और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग को सुविधाजनक बनाया है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलसचिव प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिजवी ने इस पहल की सराहना की और वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की नई पीढ़ी को तैयार करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

समारोह की शुरुआत जीवन विज्ञान संकाय के डीन प्रो. मोहम्मद जाहिद अशरफ के उद्घाटन भाषण से हुई, जिन्होंने कार्यक्रम की अवधारणा का नेतृत्व किया। "एक सतत भविष्य के लिए विज्ञान" विषय पर जोर देते हुए, प्रो. अशरफ ने वैज्ञानिक जांच के माध्यम से वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "विज्ञान केवल समीकरणों और प्रयोगों के बारे में नहीं है; यह मानवता की बेहतरी के लिए सवाल करने, खोज करने और नवाचार करने की मानसिकता है।"

प्राकृतिक विज्ञान संकाय के डीन प्रो. सईदुद्दीन ने नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. सी.वी. रमन को एक आकर्षक श्रद्धांजलि देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिनकी रमन प्रभाव की अभूतपूर्व खोज को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर याद किया जाता है।

विचारोत्तेजक सत्र में, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के माननीय कुलपति प्रो. मजहर आसिफ ने प्राचीन भारत की वैज्ञानिक प्रगति को उजागर करके उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयुर्वेद से लेकर खगोल विज्ञान तक, उन्होंने दिखाया कि कैसे भारत की समृद्ध विरासत ने आधुनिक वैज्ञानिक विचारों की नींव रखी। उन्होंने प्राचीन संस्कृति और सभ्यता की समृद्ध परंपराओं से आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति के विकास का पता लगाया। उन्होंने छात्रों को अनुसंधान के अप्रयुक्त मार्गों का पता लगाने और नवाचार-संचालित परियोजनाओं में अपना समय लगाने के लिए प्रेरित किया, जो अभूतपूर्व उत्पादों के विकास और राष्ट्रीय प्रगति में योगदान दे सकते हैं। प्रो. आसिफ ने छात्रों को अंतःविषय क्षेत्रों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करते

हुए कहा, "नवाचार परंपरा और प्रौद्योगिकी के चौराहे पर स्थित है। अपने अतीत को अपने भविष्य के आविष्कारों को प्रेरित करने दें।"

दिन का मुख्य आकर्षण पद्म श्री प्रो. सैयद एहतेशाम हसनैन, एसईआरबी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और शारदा विश्वविद्यालय में प्रतिष्ठित प्रोफेसर द्वारा दिया गया एक प्रेरक सार्वजनिक व्याख्यान था। "सफलता से बढ़कर कुछ नहीं: अपने करियर में जोखिम उठाएं और विजेताओं से सीखें" विषय पर बोलते हुए, प्रो. हसनैन ने अपने शानदार करियर के किस्से साझा किए, जिसमें लचीलापन, मार्गदर्शन और साहसिक निर्णय लेने पर जोर दिया गया। उन्होंने डॉ. रमन की दृढ़ता और आधुनिक छात्रों के लिए उपलब्ध अवसरों के बीच समानताएं बताईं, और उनसे "पाठ्यपुस्तकों से परे सोचने और जिज्ञासा से प्रेरित शोध को अपनाने" का आग्रह किया। उनके भाषण ने ऐतिहासिक उपलब्धियों को समकालीन वैज्ञानिक आकांक्षाओं से जोड़ते हुए गहराई से प्रतिध्वनित किया।

उन्होंने वैज्ञानिक दुनिया से आकर्षक सफलता की कहानियाँ साझा कीं, जिसमें अग्रणी शोधकर्ताओं के दिमाग में अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की गई। उन्होंने छात्रों से चुनौतियों को स्वीकार करने, सोच-समझकर जोखिम उठाने और वैज्ञानिक उत्कृष्टता और खोज से प्रेरित भविष्य को आकार देने में अपनी जिज्ञासा एवं जुनून को शामिल करने का आग्रह किया। "विज्ञान सफलताओं की तरह ही विफलताओं पर भी पनपता है। जोखिम को स्वीकार करें, क्योंकि वे महानता की सीढ़ियाँ हैं," उन्होंने दर्शकों को प्रेरित करते हुए सलाह दी।

छात्रों ने पोस्टर प्रस्तुतियों, जलवायु परिवर्तन, जैव प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर अत्याधुनिक शोध और अपशिष्ट प्रबंधन तथा नवीकरणीय ऊर्जा को संबोधित करने वाले अभिनव प्रोटोटाइप के माध्यम से अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया जिससे सभागार ऊर्जा से भर गया।

छात्रों और रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षकों ने एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में वैज्ञानिक ज्ञान का परीक्षण करते हुए, लुमिनिसेंट प्रयोगों और फर्श बैटल ऑफ विट्स सहित रासायनिक प्रतिक्रियाओं का प्रदर्शन किया। रोज़मर्रा की ज़िंदगी में "विज्ञान की सुंदरता" को कैद करने वाले आश्चर्यजनक दृश्य भी दिखाए गए। विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार वितरित किए गए जिससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा मिला।

प्रो. महफ़ुज़ुल हक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जिन्होंने छात्रों के उत्साह और आयोजन टीम के सामूहिक प्रयास की सराहना की। उन्होंने यह कहा कि "आज एक उत्सव और अनुस्मारक है कि विज्ञान प्रगति की आधारशिला है। इसे खोज के लिए आजीवन जुनून को प्रज्वलित करने दें," ।

प्रतिभागियों ने अत्यधिक प्रशंसा व्यक्त की। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के विज्ञान दिवस समारोह ने वैज्ञानिक विरासत का सम्मान किया और भविष्य के नवोन्मेषकों के लिए बीज बोए।

शैक्षणिक कठोरता, सांस्कृतिक श्रद्धा और संवादात्मक शिक्षा के मिश्रण के साथ इस कार्यक्रम ने कल के वैज्ञानिक नेताओं को पोषित करने के लिए जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शिक्षकों एवं छात्रों की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। छात्र नए उत्साह के साथ विदा हुए और वे वैज्ञानिक जांच में गहराई से उतरने तथा मानव ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित हुए।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया